श्री तारण तरण दि. जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्था

पंजी. क्र. - 01/05/03/35662/19
स्थापना वर्ष-1951
अल्पसंख्यक पंजी.क्र.-2339/ 23-8-2001

म.प्र.शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अनुदान प्राप्त

म.प्र.अल्पसंख्यक आयोग द्वारा घोषित अल्पसंख्यक संस्थान

दूरभाष - 07594-220461
शाला कोड - 622001
DISE Code - 23310128904

श्री तारण तरण जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

पाठशाला परिसर, गंजबासौदा जिला विदिशा (म.प्र.)

Email : ttjainschoolbasoda@gmail.com
Website : www.ttjainschool.com

कक्षा 9 से 12 तक

कला, विज्ञान (गणित व जीवविज्ञान),
वाणिज्य एवं कृषि संकाय

- विशाल खेल का मैदान
- शुद्ध पेयजल की व्यवस्था (वाटर कूलर सहित)
- जीवविज्ञान, भौतिक, रसायन शास्त्र, कृषि विज्ञान की सुसज्जित प्रयोगशालायें
- छात्राओं को विशेष सुविधा

- हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम
- एन.सी.ई.आर.टी. आधारित पाठ्यक्रम

- प्राकृतिक वातावरण
- स्वच्छ हवादार कक्ष
- व्यवस्थित कम्प्यूटर लैब
- समुचित पार्किंग व्यवस्था

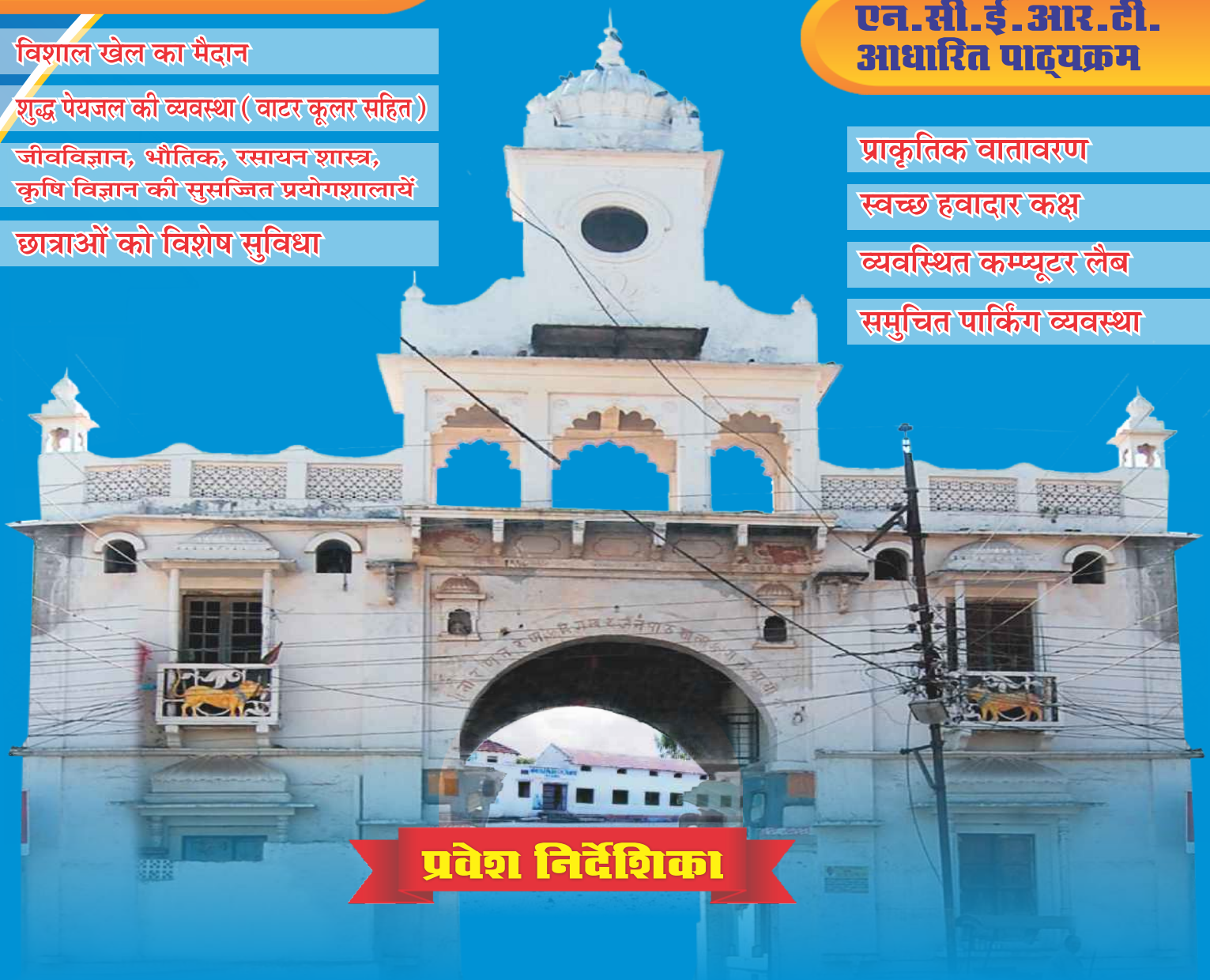

प्रवेश निर्देशिका

दानवीर फकीर
स्व. श्री रतीचंद जी जैन

दानभूषण सेठ
स्व. श्री रामलाल जी जैन

स्व. श्रीमती गिरिजादेवी जैन (निर्माण निर्माता एवं प्रथम दानदाता)

प्रगति के मार्ग निर्माता

स्व. श्री माधवप्रसाद जी तिवारी

स्व. श्री गुलाबचंद जी जैन

परिचय

किसी भी संस्कृति, समाज एवं नगर के विकास की गाथा उन व्यक्तियों द्वारा लिखी जाती है जिनमें होती है अद्वितीय दूरदृष्टि, भविष्य की सोच और सपने देखने की मानसिकता तथा उस ओर सतत् अग्रसर रहने की अटूट कर्त्तव्य निष्ठा, उदार दृष्टि एवं दानशीलता। इसी भावना एवं कर्त्तव्यनिष्ठा के प्रतीक थे बासौदा नगर के समाजसेवी धर्मप्रेमी, युगल भ्राता दानवीर सेठ पूज्य बब्बा जी स्व. श्री रतीचंद जी एवं दद्दा जी स्व. श्री रामलाल जी जैन, जिन्होंने माँ नर्मदा के पावन तट से बासौदा आकर इसे अपना कर्त्तव्य क्षेत्र चुना। यहाँ केवल 3 व्यक्ति ही अपने हस्ताक्षर कर सके थे, यह देखकर वे अत्यंत व्यथित हुए। अत: वृहद् शिक्षा संस्थान के निर्माण का बीड़ा उन्होंने सन् 1937 में उठाया। इस सम्पूर्ण निर्माण के पीछे श्री रामलाल जी की धर्मपत्नि एवं मेरी पूज्यनीय माताजी दानशीला स्व. श्रीमती गिरिजादेवी की सतत् प्रेरणा रही।

धन्य है उनका भाव, कर्त्तव्यनिष्ठा एवं दानशीलता जो आज बासौदा नगर ही नहीं वरन् प्रदेश में अद्वितीय है। विद्यालय में सन् 1937 से अब तक हजारों विद्यार्थियों ने शिक्षा प्राप्त कर अनेक क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित कर नगर, समाज एवं देश की सतत् सेवा कर विद्यालय एवं नगर को गौरवान्वित किया है।

दा.भू.सेठ हीरालाल जैन

अध्यक्ष

परामर्शदाता

डॉ.डी.पी.शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
एवं समाजसेवी

श्री बी.एल.जैन
पूर्व प्राचार्य
एवं शिक्षाविद्

हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैर पर खड़ा हो सके।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शिक्षा स्वतंत्रता के स्वर्ण द्वार खोलने की कुंजी है।

- स्वामी विवेकानंद

सचिव की कलम से

श्री तारण तरण जैन (टी.टी.जैन) विद्यालय नगर की शिक्षण संस्थाओं में सबसे पुरानी एवं अग्रणीय संस्था है। जब नगर में शिक्षण संस्थाओं का अभाव था उस समय मेरे श्रद्धेय दादाजी द्वय दानभूषण समाजसेवी सेठ स्व. श्री रतीचन्द जी एवं स्व. श्री रामलाल जी जैन द्वारा सन् 1937 में पाठशाला की स्थापना की थी। तदुपरान्त 1951 में इसे हाईस्कूल एवं 1953 में इसे इण्टर कॉलेज एवं 1958 में हायर सेकेण्डरी की मान्यता प्राप्त हुई। तबसे यह विद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। लगभग 70 वर्षों की यात्रा में इसने हजारों छात्रों के व्यक्तित्व का निर्माण कर नगर की तीसरी पीढ़ी को सँवारने की दिशा में अपने कदम बढ़ाये, यह विद्यालय न्यूनतम शुल्क में हर संभव आधुनिक सुविधायें शाला परिवार के अथक परिश्रम एवं आप सभी के सहयोग से नई ऊँचाईयों की ओर बढ़ रहा है। इस वर्ष विद्यालय का बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम उत्कृष्ट रहा है।

विद्यालय इसी प्रकार नये कीर्तिमान स्थापित करे, ऐसी भावना है। सभी के प्रयास से विद्यालय ने आशातीत सफलतायें प्राप्त की हैं एवं नगर में अपनी पृथक उत्कृष्ट छवि बनाई है। विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए हरसंभव सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। भविष्य में और अच्छी व्यवस्थाओं के लिए हम प्रयासरत हैं।

हम उन सभी महानुभावों के आभारी है जिन्होंने इस विद्यालय की प्रगति, उन्नति एवं विकास में सहयोग प्रदान किया है। भविष्य में भी हम आप सभी के सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

मलयज समैया
सचिव

विशेष पुरुस्कार योजना

विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की राज्य स्तरीय मैरिट लिस्ट में आने पर विशेष पुरुस्कार योजना प्रारंभ की गई है जिसके अन्तर्गत कक्षा 12 एवं कक्षा 10 में जो भी विद्यार्थी प्रदेश की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करेगा उसे **11,000/- रु.** की पुरुस्कार राशि प्रदान की जायेगी।

इसके साथ ही जो विद्यार्थी जिले की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करता है उसे भी विद्यालय द्वारा **5000/- रु.** की पुरुस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इस सुविधा का लाभ प्रतिवर्ष छात्रों को दिया जा रहा है।

श्री तारण तरण जैन शिक्षा कला संस्कृति कल्याण समिति
गंजबासौदा,जिला विदिशा (म.प्र.)

1.	दा.भू.सेठ श्री हीरालाल जी जैन, गंजबासौदा	अध्यक्ष
2.	श्री विजय कुमार जैन, गंजबासौदा	उपाध्यक्ष
3.	श्री मलयज समैया, गंजबासौदा	सचिव
4.	श्री अशोक कुमार जैन, गंजबासौदा	कोषाध्यक्ष
5.	श्री अखिलेश वैशाखिया, गंजबासौदा	संयुक्त सचिव
6.	श्री मदनमोहन जी तिवारी (एडवोकेट), गंजबासौदा	सदस्य
7.	श्री अशोक कुमार जैन, कटनी	सदस्य
8.	श्री विमलप्रकाश जैन (एडवोकेट), विदिशा	सदस्य
9.	श्री संजय जैन (इंजीनियर), भोपाल	सदस्य
10.	श्री मोहित समैया, गंजबासौदा	सदस्य

विद्यालय प्रबंधन समिति

1.	दा.भू.सेठ श्री हीरालाल जी जैन	अध्यक्ष
2.	श्री मलयज समैया	सचिव
3.	श्री विजय कुमार जैन	सदस्य
4.	श्री संजय जी जैन (इंजीनियर), भोपाल	सदस्य
5.	श्री मदनमोहन जी तिवारी (एडवोकेट)	सदस्य
6.	जिला शिक्षाधिकारी द्वारा मनोनीत सदस्य	सदस्य
7.	श्री प्रमोद कुमार शर्मा (प्राचार्य पदेन)	सदस्य
8.	श्री व्ही.के.जैन (शिक्षक प्रतिनिधि)	सदस्य
9.	श्री मोहित समैया	सदस्य
10.	श्री अखिलेश बैशाखिया	सदस्य
11.	श्री गौरव समैया	विशेष आमंत्रित सदस्य

प्राचार्य की कलम

भामाशाहों की धार्मिक नगरी गंजबासौदा के हृदयस्थली स्थित नगर के शिक्षण संस्थानों में सबसे प्राचीनतम एवं अग्रणी **''तमसो मा ज्योतिर्गमय''** इस मूल मंत्र से एवं **''विद्या धर्मेण शोभते''** के संकल्प से संकल्पित इस पावन मंदिर में नया सत्र, नई उमंग और नई तरंग के साथ विद्यालय में प्रवेश करने पर हम आपका स्वागत करते हैं। आपके इस वर्ष आगमन तक यह शिक्षा मंदिर अपनी स्थापना के विभिन्न उपलब्धियों के साथ 69 वर्ष पूर्ण कर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

मैं सौभाग्यशाली हूँ कि मुझे विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा इस विद्यालय के प्राचार्य के पद पर नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि **इस संस्था की स्थापना ''शिक्षा के माध्यम से सेवा'' के प्रति दृढ़ संकल्पित दानभूषण सेठ स्व. श्री रतीचंद जी जैन एवं दानभूषण सेठ स्व. श्री रामलाल जी जैन के कर कमलों द्वारा की गई।** संस्था को इस ऊँचाई तक पहुँचाने में पूज्यनीय माताजी स्व. श्रीमती गिरिजादेवी की अहम भूमिका रही। विद्यालय परिवार निरंतर प्रयासरत है कि विद्यार्थियों को उनकी पसंद के व रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के अध्ययन का मौका मिल सके, आवश्यक सुविधायें प्राप्त हो सकें और बेहतर व्यवस्था हो।

आने वाले समय में और भी सुविधाएँ एवं व्यवस्थाएँ हों, इसके लिए विद्यालय परिवार प्रयासरत है। हमारा ध्येय हमेशा रहा है व रहेगा कि हर विद्यार्थी अनुशासित रहे, उत्तम जीवन शैली जियें, चहुँमुखी विकास हो, वांछित जीवन मूल्यों मानवता व सामाजिकता की भावनाओं से ओत-प्रोत मन हो और सुसंगठित व्यक्तित्व के धनी हो ताकि जीवन की समस्त भूमिकाओं का निर्वाह पूरी लगन, जिम्मेदारी व ईमानदारी से भली-भाँति करने योग्य बनें व अपने परिवार, विद्यालय व नगर, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्र का गौरव बढ़ा सकें।

विद्यालय में खेलकूद, सांस्कृतिक, साहित्यिक, रचनात्मक, वाद-विवाद, चित्रकला आदि का आयोजन किया जाता है। विद्यालय में सह-शिक्षा की व्यवस्था है।

नगर के अभिभावकों एवं सहयोगी संस्थानों के स्नेह एवं सहयोग से संस्था ने बहुआयाम स्थापित किए हैं।

"Education is the most powerful weapon.
Which you can use to change the world." *- Nelson Mandela*

सफल एवं गौरवपूर्ण जीवन हेतु अनेक शुभकामनायें.....।

विशेष आग्रह : कृपया कोरोना (कोविड-19) से सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन का पालन अवश्य करें।

प्रमोद कुमार शर्मा
प्राचार्य

शाला-परिवार

नाम	पद	शैक्षणिक योग्यता
1. श्री प्रमोद कुमार शर्मा	प्राचार्य	एम.कॉम. (एकाउन्ट), एम.ए. (अंग्रेजी), बी.एड., एम.एस.सी. (आई.टी.), पी.जी.डी.सी.ए.
2. श्री व्ही.के.जैन	वरिष्ठ शिक्षक	एम.एस.सी. (गणित)
3. श्रीमती कुसुम सिंह तोमर	क्राफ्ट शिक्षिका	एम.ए. (समाज शास्त्र), क्राफ्ट डिप्लोमा
4. श्री एम.बी. नेमा	लेखापाल	बी.एस.सी., बी.एड.
5. श्री एम.एम.तिवारी	शिक्षक	एम.कॉम. (एकाउन्ट), बी.एड.
6. श्री टी.एस. राठौर	शिक्षक	एम.कॉम., एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.एड.
7. श्री मीनकुमार गुप्ता	शिक्षक	एम.ए. (अंग्रेजी), बी.एड.
8. श्री शिवओम तिवारी	शिक्षक	एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी), बी.एस.डब्लू., बी.एड.
9. श्रीमती शिल्पा सेन	कम्प्यूटर शिक्षिका	एम.एस.सी. (आई.टी.), डी.एल.एड.
10. श्री प्रदीप शर्मा	शिक्षक	एम.एस.सी. (जन्तु विज्ञान), बी.एड.
11. श्री प्रदीप दीक्षित	शिक्षक	एम.एस.सी. (रसायन शास्त्र), बी.एड.
12. सुश्री मंजू दांगी	शिक्षक	एम.एस.सी. (भौतिक शास्त्र), बी.एड.
13. श्री मनोज रघुवंशी	शिक्षक	एम.ए. (हिन्दी), बी.एड.
14. श्रीमती पूजा गोस्वामी	शिक्षक	एम.ए. (अंग्रेजी), डी.एल.एड., पीजीडीसीए
15. श्री जितेन्द्र समैया	भृत्य	बी.कॉम.
16. श्रीमती कुसुमरानी मिश्रा	भृत्या	

विद्यालय के संचालन हेतु विशेष कार्य

1. वर्तमान समय की आवश्यकता को देखते हुए छात्राओं के लिए सिलाई की शिक्षा की आवश्यकता बढ़ गई है। अत: विद्यालय प्रबंधन समिति सिलाई कक्ष को प्राथमिकता से प्रारंभ कर रही है। जिससे समस्त छात्रायें लाभान्वित हो सकें।
2. विद्यालय में कृषि संकाय भी चालू है। हमारा नगर ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जो कृषि प्रधान है। अच्छी कृषि पैदावार के लिए बच्चों को कृषि की आधुनिक तकनीकों का ज्ञान होना आवश्यक है। इसके लिए प्रबंधन कृषि यंत्रों की तकनीकी जानकारी, उससे संबंधित साहित्य एवं अन्य ज्ञानवृद्धि हेतु समय-समय पर टेक्नीशियन द्वारा शिक्षा देने की व्यवस्था कर रहा है।
3. छात्रों की कलात्मक रुचि, जाग्रत करने हेतु समय-समय पर कला प्रतियोगिता करने की व्यवस्था की जा रही हैं।
4. वर्तमान युग विचारों की अभिव्यक्ति, सुन्दर समानांतर वक्तृत्व कला के विकास, तर्क-वितर्क की योग्यता का है। अत: विद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन किये जाते रहते हैं, बाहर से योग्य प्रभावक अतिथियों का मार्गदर्शन दिलाया जाता है। वर्तमान युग में जितना पाठ्यक्रम उतना ही ज्ञान पर्याप्त नहीं माना जाता है। विश्व में विभिन्न ज्ञान के भंडार में अत्याधिक वृद्धि हो रही है। चाहे छात्र हों या अध्यापक सब को वर्तमान ज्ञान से जुड़ना आवश्यक है। अत: विद्यालय में समुचित पुस्तकालय की व्यवस्था है जिसमें निरन्तर नवीन पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध रहता है।
5. स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ मस्तिष्क का मालिक होता है, अत: विद्यालय में खेलों की समुचित व्यवस्था है।
6. छात्राओं का ध्यान रखकर उनको विशेष उपयोगी खेल एवं सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है और मध्यान्ह अवकाश के समय के लिए सुविधायुक्त छात्रा कक्ष की व्यवस्था है।

प्रवेश के नियम

शाला में प्रवेश आवेदन फार्म के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक है -

1. प्रवेश लेने की पूर्व कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति एवं शाला-त्याग प्रमाण-पत्र की मूल प्रति।
2. अन्य बोर्ड से आये छात्र को माईग्रेशन प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा।
3. अनुसूचित जाति/ जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को जाति एवं आय प्रमाण-पत्र की छायाप्रति संलग्न करना होगी।
4. छात्र को प्रवेश फार्म पर अपना पासपोर्ट साईज का नवीनतम रंगीन फोटो लगाना आवश्यक है।
5. विद्यार्थी को समय पर शाला का शुल्क जमा करना होगा अन्यथा उसका नाम शाला से पृथक कर दिया जायेगा।
6. **यदि संस्था में एक से अधिक भाई-बहिन अध्ययनरत हैं तो उनमें से निम्न कक्षा के छात्र को नियमानुसार प्रक्रिया शुल्क में छूट दी जाती है।**
7. ब्लड ग्रुप रिपोर्ट की छायाप्रति।

अन्य

- शासन के निर्देशानुसार छात्र-छात्राओं को मोबाइल पूरी तरह से प्रतिबंधित है। अत: पालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस ओर विशेष ध्यान दें। यदि कोई विद्यार्थी विद्यालय में मोबाइल लाता है तो उसे जप्त कर लिया जावेगा।
- विद्यार्थी को शाला के समस्त निर्देशों का जो समय-समय पर दिये जाते हैं का पालन करना अनिवार्य होगा।
- विद्यार्थी को अनुशासन में रहकर नियमित रूप से पूरे समय विद्यालय में उपस्थित रहना होगा।
- छात्र को मण्डल द्वारा निर्धारित उपस्थिति 75 प्रतिशत रहना आवश्यक है। इससे कम होने पर छात्र को स्वाध्यायी छात्र के रूप में ही परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता होगी।
- छात्र को संबंधित शिक्षक द्वारा दिया गया गृहकार्य समय पर पूरा करना आवश्यक होगा।
- विद्यालय द्वारा निर्देशित गणवेश पहनकर विद्यालय में आना अनिवार्य होगा।
- विद्यालय में अनुभवी एवं प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा शिक्षण की उत्तम व्यवस्था है। अत: विद्यार्थियों का कर्त्तव्य है कि वे विद्यालय के समस्त कालखण्डों में उपस्थित रहकर अध्ययन करें। इससे विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम उत्तम रहेगा तथा उनके अभिभावकों को आर्थिक लाभ भी होगा।
- **छात्रों की अध्ययन एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी की दृष्टि से अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि <u>वे माह में कम-से-कम एक बार विद्यालय में उपस्थित होकर कक्षाध्यापक एवं विषय शिक्षकों से सम्पर्क करें।</u>**
- वर्तमान युग में कम्प्यूटर की आवश्यकता को देखते हुए विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षण की व्यवस्था है।

सभी पालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने पाल्य को नियमित रूप से विद्यालय भेजने एवं पूरे समय तक उन्हें विद्यालय में रुककर अध्ययन करने को प्रेरित करें।

प्राचार्य

कक्षा-12 वीं बोर्ड परीक्षा में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रायें - वर्ष 2022-23

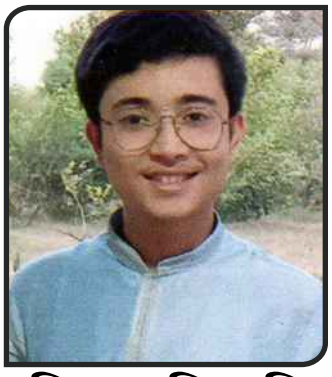

कनिष्क रिछारिया
12th (Science)
प्राप्तांक-461/500 (92.2%)

अनामिका उपाध्याय
12th (Arts)
प्राप्तांक-459/500 (91.8%)

अंशिका राजा बुन्देला
12th (Arts)
प्राप्तांक-410/500 (82%)

अनुराग सोलंकी
12th (Bio)
प्राप्तांक-409/500 (81.8%)

अदिति शर्मा
12th (Science)
प्राप्तांक-408/500 (81.6%)

अभिषेक माहेश्वरी
12th (Commerce)
प्राप्तांक-405/500 (81%)

सुमित कुर्मी
12th (Science)
प्राप्तांक-403/500 (80.6%)

खुशी गुर्जर
12th (Art)
प्राप्तांक-403/500 (80.6%)

स्पर्श अरोरा
12th (Science)
प्राप्तांक-393/500 (78.6%)

विद्यालय परिवार की ओर से सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई

विद्यालय के चमकते सितारे

सोनिका मीणा
12th (Commerce)
प्राप्तांक-393/500 (78.6%)

ओम कटारे
12th (Bio)
प्राप्तांक-392/500 (78.4%)

तनुज गुप्ता
12th (Science)
प्राप्तांक-390/500 (78%)

चन्द्रभान रघुवंशी
12th (Agriculture)
प्राप्तांक-384/500 (76.8%)

प्रांजल समैया
12th (Science)
प्राप्तांक-381/500 (76.2%)

अंजनेय शुक्ला
12th (Science)
प्राप्तांक-380/500 (76%)

आलोक अहिरवार
प्राप्तांक-453/500 (90.6%)

क
क्षा
10

अनुज यादव
प्राप्तांक-377/500 (75.4%)

विद्यालय परिवार की ओर से
सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई

झलकियाँ

Kittu Printers#9827724800